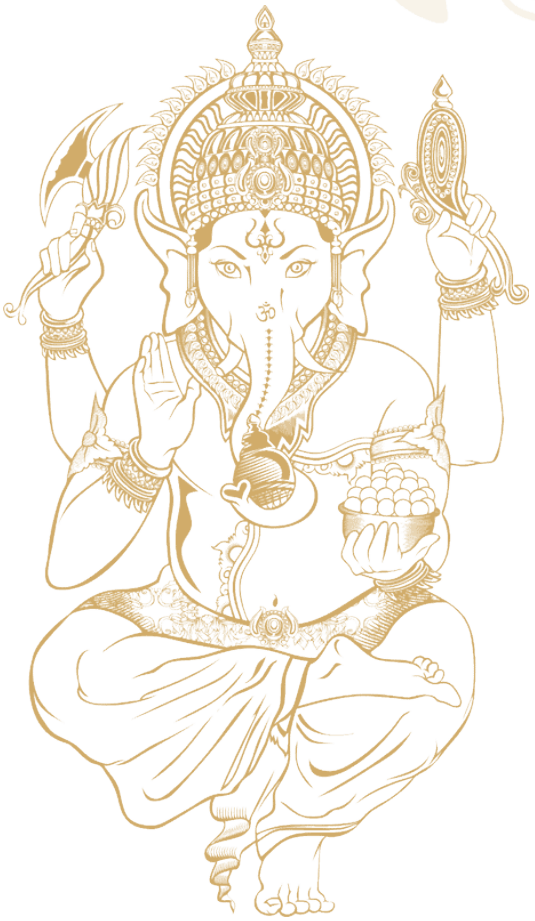

?????? ?????

17 Mar 2000

12:33 PM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121472205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/03/2000**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:33:00 घंटे**
इष्ट	14:51:02 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:03:56 घंटे
वेलान्तर	-00:08:18 घंटे
साम्पातिक काल	23:44:36 घंटे
सूर्योदय	06:36:35 घंटे
सूर्यास्त	18:38:36 घंटे
दिनमान	12:02:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	03:08:24 मीन
लग्न के अंश	14:36:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सुकर्मा
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:36:33	320:18:56	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			मीन	03:08:24	00:59:41	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	25:45:23	14:04:36	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल			मेष	01:53:36	00:44:23	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध			कुंभ	09:12:47	00:14:03	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु			मेष	12:05:58	00:12:42	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	10:51:05	01:14:07	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	20:03:13	00:06:05	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	08:34:31	00:02:16	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	08:34:31	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	25:08:29	00:02:55	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	11:59:35	00:01:36	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:02:43	00:00:04	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मीन	01:56:33	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:21

लग्न-चलित

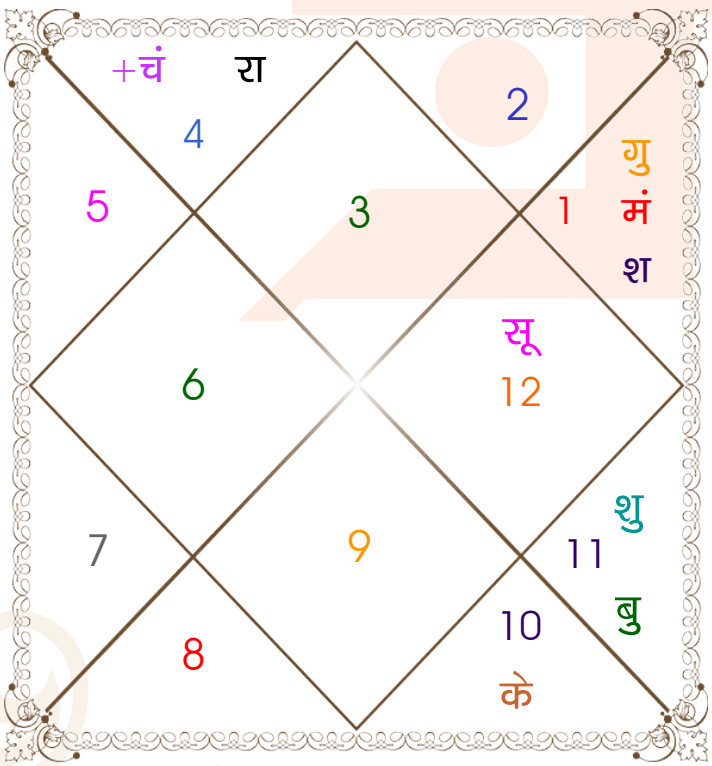

चन्द्र कुंडली

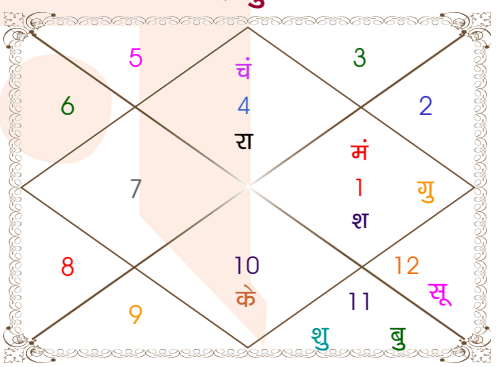

नवमांश कुंडली

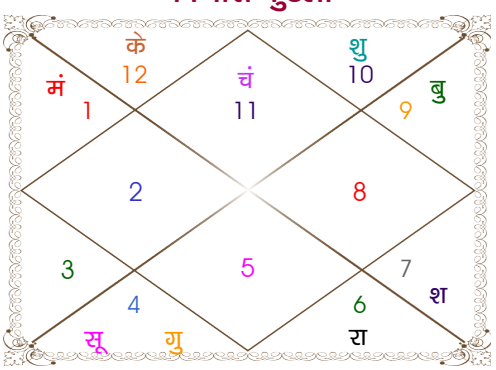

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 4 मास 28 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/03/2000		14/08/2005		14/08/2012		14/08/2032		14/08/2038	
14/08/2005		14/08/2012		14/08/2032		14/08/2038		14/08/2048	
	00/00/0000	केतु	10/01/2006	शुक्र	14/12/2015	सूर्य	02/12/2032	चंद्र	15/06/2039
	00/00/0000	शुक्र	13/03/2007	सूर्य	14/12/2016	चंद्र	02/06/2033	मंगल	14/01/2040
	00/00/0000	सूर्य	18/07/2007	चंद्र	14/08/2018	मंगल	08/10/2033	राहु	15/07/2041
	00/00/0000	चंद्र	16/02/2008	मंगल	15/10/2019	राहु	02/09/2034	गुरु	14/11/2042
	00/00/0000	मंगल	15/07/2008	राहु	14/10/2022	गुरु	21/06/2035	शनि	14/06/2044
	17/03/2000	राहु	02/08/2009	गुरु	14/06/2025	शनि	02/06/2036	बुध	14/11/2045
राहु	29/08/2000	गुरु	09/07/2010	शनि	14/08/2028	बुध	08/04/2037	केतु	15/06/2046
गुरु	05/12/2002	शनि	18/08/2011	बुध	15/06/2031	केतु	14/08/2037	शुक्र	13/02/2048
शनि	14/08/2005	बुध	14/08/2012	केतु	14/08/2032	शुक्र	14/08/2038	सूर्य	14/08/2048

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/08/2048		15/08/2055		14/08/2073		14/08/2089		15/08/2108	
15/08/2055		14/08/2073		14/08/2089		15/08/2108		00/00/0000	
मंगल	10/01/2049	राहु	27/04/2058	गुरु	02/10/2075	शनि	17/08/2092	बुध	12/01/2111
राहु	29/01/2050	गुरु	20/09/2060	शनि	15/04/2078	बुध	27/04/2095	केतु	09/01/2112
गुरु	05/01/2051	शनि	27/07/2063	बुध	21/07/2080	केतु	05/06/2096	शुक्र	09/11/2114
शनि	13/02/2052	बुध	13/02/2066	केतु	27/06/2081	शुक्र	06/08/2099	सूर्य	15/09/2115
बुध	10/02/2053	केतु	03/03/2067	शुक्र	26/02/2084	सूर्य	19/07/2100	चंद्र	14/02/2117
केतु	09/07/2053	शुक्र	03/03/2070	सूर्य	14/12/2084	चंद्र	17/02/2102	मंगल	11/02/2118
शुक्र	08/09/2054	सूर्य	26/01/2071	चंद्र	15/04/2086	मंगल	29/03/2103	राहु	18/03/2120
सूर्य	14/01/2055	चंद्र	27/07/2072	मंगल	22/03/2087	राहु	02/02/2106		00/00/0000
चंद्र	15/08/2055	मंगल	14/08/2073	राहु	14/08/2089	गुरु	15/08/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 5 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।